क्या सुख पायो रे राम को विसार के भजन लिरिक्स

क्या सुख पायो रे,
राम को विसार के,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के।bd।

तर्ज – छुप गया कोई रे दूर से।

बचपन की आयु तूने,
खेल में गंवाई रे,
आई जवानी लागे,
प्यारी घर की नारी रे,
वक्त बुढ़ापा रोया,
वक्त बुढ़ापा रोया,
फिर आहे मार के,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के।bd।

सारी उम्र का स्टाम्प,
किसी ने लिखाया नहीं,
जाना है आखिर सबने,
अमर फल खाया नहीं,
जाना असल घर अपने,
जाना असल घर अपने,
आप तू सुधार रे,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के।bd।

आम मिलेंगे कहां से,
कीकर जो बोएगा,
धर्मराज लेखा मांगे,
लिए पोटली अपने,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अब भी गुण गा ले प्रेम,
अब भी गुण गा ले प्रेम
कृष्ण मुरार के,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के।bd।

क्या सुख पायो रे,
राम को विसार के,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के,
विषयों में फस के चला,
जीती बाजी हार के।bd।

गायक – आचार्य दयाशंकर जी।
9529295695

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com